जिंक सिटी में वेदांता उदयपुर वर्ल्ड म्यूजिक फेस्टिवल 2025 का रंगारंग आगाज

बॉलीवुड सिंगर कणिका कपूर, सारंगी ऑर्केस्ट्रा, अल्जीरियन ब्लूज-रॉक बैंड टिंजिया, पॉप जोड़ी सुकृति-प्रकृति कक्कड़ और ग्रैमी पुरस्कार विजेता डोबेट ग्नाहोरे की प्रस्तुतियों पर झूमे दर्शक

उदयपुर। जिंक सिटी उदयपुर के गांधी ग्राउंड में भारतीय लोकगीत, बॉलीवुड की धुनों और वैश्विक लय के साथ तीन दिवसीय वेदांता उदयपुर वर्ल्ड म्यूजिक फेस्टिवल 2025 का रंगारंग आगाज हुआ। हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड और राजस्थान सरकार के पर्यटन विभाग के सहयोग और सहर द्वारा परिकल्पित इस महोत्सव में प्रवेश निःशुल्क है।

कार्यक्रम में विश्व स्तरीय संगीत और दर्शकों को संस्कृतियों के बीच संगीत की यात्रा का यहां मौजूद हर संगीत प्रेमी ने प्रस्तुतियों के साथ सुर और ताल मिलाकर आनंद लिया। शाम की शुरुआत पार मोहम्मद लंगा और उनके सारंगी ऑर्केस्ट्रा के साथ हुई जिसमें राजस्थान की लोक परंपराओं और सारंगी की मधुर स्वरों से रूबरू कराया। मंच पर उत्तरी अफ्रीकी स्वाद लाते हुए, अल्जीरियाई ब्लूज-रॉक बैंड टिंजिया ने बर्बर और पश्चिमी प्रभावों से प्रभावित ऊर्जावान लाइव परफॉर्मेंस दी।

सोफियाने बेलाइड के नेतृत्व में, रॉक और रेगिस्तानी ब्लूज के मिश्रण ने दर्शकों को मातृभूमि की कहानी कहने की परंपराओं से परिचित कराया। यह महोत्सव भारतीय और वैश्विक संगीत - शास्त्रीय रॉक और लोक, पारंपरिक और आधुनिक संगीत का संगम होगा, और 7 से 9 फरवरी, 2025 तक जिंक सिटी - उदयपुर को एक बार फिर से संगीत और संस्कृति के जीवंत केंद्र में बदल देगा। इस वर्ष महोत्सव का उद्देश्य राजस्थान के भूले हुए संगीत वाद्ययंत्रों और परंपराओं के संरक्षण और प्रचार के साथ ही वैश्विक संगीत संस्कृतियों को अपनाना भी है।

शुभारंभ के अवसर पर हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरुण मिश्रा ने कहा कि, संगीत और संस्कृति में विविध दृष्टिकोण को सुंदर लय में एकजुट करने की अनूठी क्षमता है। वैश्विक संगीत को राजस्थानी लोक संगीत के साथ जोड़ने के साथ ही यह पहले से ही स्पष्ट है कि हिन्दुस्तान जिंक और वेदांता युवा प्रतिभाओं को आगे बढ़ने और मंच का अवसर प्रदान कर संगीत, कला और संस्कृति को बढ़ावा देते हैं। यह सहयोग जिंक सिटी - उदयपुर को रचनात्मकता और संगीत के जोश के साथ वैश्विक सांस्कृतिक राजधानी में बदलने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

हमें यह देखकर बहुत गर्व है कि यह पहल एक प्रमुख वैश्विक संगीत कार्यक्रम के रूप में विकसित हो रही है, जिसमें विभिन्न देशों की प्रतिभाएं एक साथ आ रही हैं और उदयपुर के दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर रही हैं।

फेस्टिवल को बॉलीवुड संगीत से जोड़ते हुए, पॉप जोड़ी सुकृति और प्रकृति कक्कड़ ने फिल्मी और समकालीन पॉप संगीत के अपने विशिष्ट मिश्रण के साथ दर्शकों को बांधे रखा, जिससे सर्द रात में भी लोगों में जोश भर दिया। शाम का मुख्य आकर्षण ग्रैमी पुरस्कार विजेता डोबेट ग्नाहोरे का इलेक्ट्रिफाइंग अफ्रोबीट्स की प्रस्तुति थी। उनकी प्रभावशाली मंच उपस्थिति, गतिशील डांस मूव्स और स्फूर्ति से भरपूर स्वर ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। टिंजिया, डोबेटग्नाहोरे और राजस्थान के मूल सारंगी ऑर्केस्ट्रा जैसे वैश्विक और भारतीय प्रभावों का सहज मिश्रण पर संगीत प्रेमियों के कदम थिरक उठे। कार्यक्रम का समापन बॉलीवुड की मशहूर गायिका कनिका कपूर के अपने प्रसिद्ध बॉलीवुड गानों जैसे [illegible] के चिट्टियां कलाइयां और [illegible] के दा दा दस्से आदि पर दर्शकों के झूमने के साथ हुआ।

हिन्दुस्तान जिंक भारतीय संस्कृति को पोषित करने के हेतु प्रतिबद्ध है। संगीत के सार्वभौमिक आकर्षण को पहचानते हुए, कंपनी ने इस कला रूप के माध्यम से लोगों को जोड़ने के लिए वेदांता उदयपुर वर्ल्ड म्यूजिक फेस्टिवल, सुकून-ए-स्पंदन (एक अंतर्राष्ट्रीय संगीत और कला संगठन जो भारत की वैश्विक सांस्कृतिक उपस्थिति के लिये जाना जाता है), और [illegible] ([illegible] कार्यक्रम और कामना पुरस्कार विजेता स्वर्गीय पंडित [illegible] की विरासत के प्रति प्रतिबद्ध है। [illegible] इसके साथ ही, हिन्दुस्तान जिंक की प्रतिष्ठित सांस्कृतिक पहलों, वेदांता जिंक सिटी हाफ मैराथन, जिसे भारत की सबसे खूबसूरत मैराथन के रूप में जाना जाता है, अपने सुरम्य मार्ग के कारण जीवंत जिंक सिटी में पर्यटन में वृद्धि का स्पष्ट संकेत देती है, जिसे वैश्विक सांस्कृतिक राजधानी के रूप में भी जाना जाता है। वेदांता उदयपुर वर्ल्ड म्यूजिक फेस्टिवल, विशेष रूप से वैश्विक दर्शकों को आकर्षित कर स्थानीय अर्थव्यवस्था को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ावा देता है। यह निःशुल्क कार्यक्रम केवल तीन दिनों में पर्यटन को लगभग 40 प्रतिशत बढ़ाता है।

फेस्टिवल के शुभारंभ अवसर पर सहर के संस्थापक-निदेशक, संजीव भार्गव ने कहा कि, पहले दिन सफलता से इस सांस्कृतिक विविधता को [illegible], जिसके लिए हम इस फेस्टिवल के माध्यम से प्रयास कर रहे हैं। हमने टिंजिया, डोबेटग्नाहोरे और राजस्थान के मूल सारंगी ऑर्केस्ट्रा जैसे वैश्विक और भारतीय प्रभावों का सहज मिश्रण दिखाया गया। एक मंच पर विविध संगीत जगत की एक साथ लाना यही बात हमारे फेस्टिवल को अद्वितीय बनाती है।